गॉड पार्टिकल (हिग्ज बोजॉन)

राम कुमार तिवारी
भौतिक विज्ञान विभाग
बी0 एस0 एन0 वी0 पी0 जी0 कॉलेज
स्टेशन रोड, चारबाग, लखनऊ(उ0प्र0)–226001, भारत
rktshri@yahoo.co.in

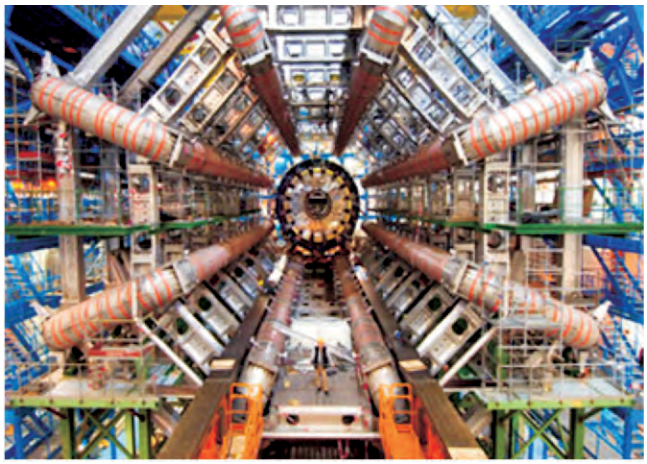

सर्न की प्रयोगशाला

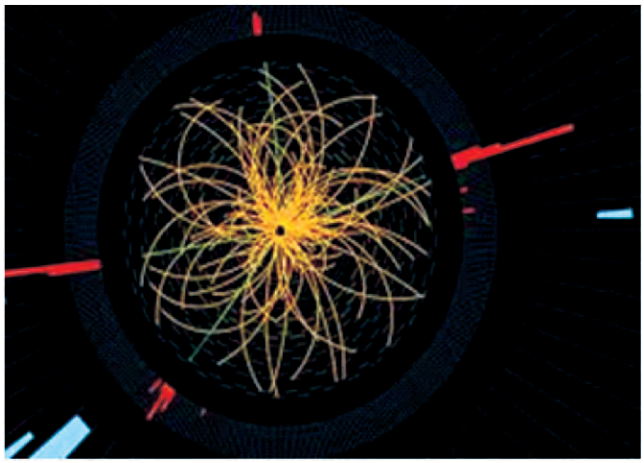

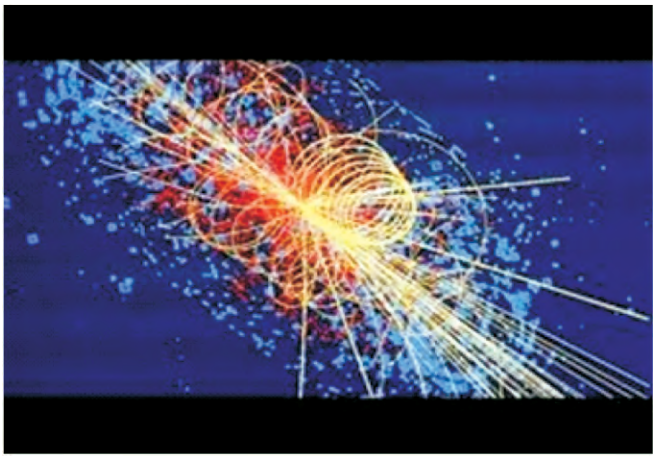

वैज्ञानिक प्रयोग

मनुष्य की सबसे बड़ी जिज्ञासा है कि धरती पर सृष्टि की रचना कैसे हुई? इस एक प्रश्न के उत्तर की खोज में इंसान सदियों से अपने दिमाग को उलझा रहा है, परन्तु आज इस प्रश्न का रहस्य शीघ्र ही खुल जायेगा। उम्मीद की जा रही है कि ब्रहमांड कैसे बना और कब बना, यह राज भी अब खुल जायेगा। स्विट्जरलैंड के जिनेवा के पास धरती के कई फुट नीचे सर्न की प्रयोगशाला में हजारों वैज्ञानिक इस प्रश्न की तलाश में लगे थे। फ्रांस और स्विट्जरलैंड की सीमा के पास जमीन के 300 फुट नीचे वैज्ञानिक वर्षों से प्रयोग कर रहे थे जहाँ वैज्ञानिकों की टीम "**गॉड पार्टिकल**" के रहस्य को सुलझाने के नजदीक जा पहुंची है। "**गॉड पार्टिकल**" का नाम हिग्स बोजॉन है। हिग्स बोजॉन या गॉड पार्टिकल विज्ञान की ऐसी अवधारणा है जिसे अभी तक प्रयोग द्वारा साबित नहीं किया जा सका है। यदि इसकी उपस्थिति के प्रमाण मिलते हैं तो ये पता लग सकेगा कि कणों में भार क्यों होता है तथा साथ ही यह भी पता चल सकेगा कि ब्रहमांड की उत्पत्ति कैसे हुई होगी। भार वह है जो कोई चीज अपने अंदर रख सकता है। यदि कुछ नहीं होगा तो फिर किसी वस्तु के परमाणु उसके भीतर घूमते रहेंगे और जुड़ेंगे ही नहीं। इस सिद्धांत के अनुसार प्रत्येक रिक्त स्थान में एक फील्ड बनी हुई है जिसे हिग्स फील्ड का नाम दिया गया। इस फील्ड में कण होते हैं जिन्हें हिग्स बोजॉन कहा गया है।